मीडिया विज्ञप्ति

30 सितंबर, 2024, मुंबई

आई.एल.एंड.एफ.एस के चेयरमैन श्री सी.एस राजन का कार्यकाल समाप्त, श्री नंद किशोर नए सी.एम.डी नियुक्त हुए

आई.एल.एंड.एफ.एस के गैर-कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर श्री सी. एस. राजन का कार्यकाल समाप्त हुआ, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एम.सी.ए) ने श्री नंद किशोर को नया चेयरमैन एवं एम.डी नियुक्त किया

श्री सी.एस राजन ने नये आई.एल.एंड.एफ.एस बोर्ड में 6 वर्षों तक सेवाएं दीं - इसमें से 3.5 वर्ष एम.डी के तौर पर और 2.5 वर्ष चेयरमैन के तौर पर शामिल हैं - और उनका कार्यकाल सितंबर 30, 2024 को खत्म हुआ

श्री नंद किशोर, मैनेजिंग डायरेक्टर, आई.एल.एंड.एफ.एस को एम.सी.ए, भारत सरकार, ने अक्टूबर 1, 2024, से आई.एल.एंड.एफ.एस का चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है

छह वर्षों तक नेतृत्व करने और स्थिरता देने में अहम भूमिका निभाने और कॉरपोरेट की दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय संकटों को निपटाने के बाद श्री सीएस राजन, चेयरमैन, आई.एल.एंड.एफ.एस का कार्यकाल 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हो रहा है।

श्री राजन की जगह आई.एल.एंड.एफ.एस के मौजूदा एमडी श्री नंद किशोर 1 अक्टूबर, 2024 से नए चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर का पद संभालेंगे। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार, ने उनकी नियुक्ति को सहमति दी है।

श्री सीएस राजन, चेयरमैन, आई.एल.एंड.एफ.एस ने कहा, "मैं कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, एम.सी.ए, भारत सरकार का बोर्ड में भरोसा व्यक्त करने, समाधान की जटिल प्रक्रिया में मार्गदर्शन करने और ज़रूरत के समय सहायता करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

मैं आई.एल.एंड.एफ.एस के नए बोर्ड के प्रतिष्ठित सदस्यों का भी धन्यवाद देता हूं - इनमें श्री उदय कोटक भी शामिल हैं जिन्होंने शुरुआती वर्षों में समाधान की जटिल प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई। इसके अलावा, स्वर्गीय श्री विनीत नय्यर का, उनके व्यापक ज्ञान और अनुभव के लिए, खासतौर पर सत्यम के समाधान में उनकी भूमिका के लिए, आभार व्यक्त करता हूं|

साथ ही, मैं सभी निदेशकों का उनके बुद्धिमत्तापूर्ण मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने साथ मिलकर भारत के पहले कॉरपोरेट समूह के समाधान का ढांचा तैयार करने और मुश्किलों से बाहर आने में हमारी मदद की जिसे भारत का लेहमैन मामला माना गया।

आई.एल.एंड.एफ.एस का संकट काफी हद तक टाइटैनिक के डूबने जैसा था जो बर्फ की चट्टान से टकरा गया था। जहां तक संभव हो, उस हद तक मूल्यवान परिसंपत्तियों को वापस पाने और उन्हें जुटाने की जिम्मेदारी भारत सरकार और एन.सी.एल.टी द्वारा नियुक्त किए गए सार्वजनिक हितों का ध्यान रखने वाले बोर्ड को सौंपी गई थी।"

श्री नंद किशोर, एम.डी, आई.एल.एंड.एफ.एस ने कहा, "बोर्ड ने पिछले छह वर्षों के दौरान आईएलएफएस ग्रुप को संकट से उबारने में श्री राजन द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की और उनके भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

रु **61,000 करोड़ रुपये** के **ऋण समाधान के अनुमानित लक्ष्य** के मुकाबले सितंबर 30, 2024, तक **लगभग रु 55,000 करोड़ रुपये** का ऋण समाधान हासिल कर लिया गया, जो कुल अनुमानित ऋण समाधान मूल्य का लगभग **90 फीसदी** है। इसमें परिसमापन, इनविट मे ट्रांसफर, ऋण भुगतान और अंतरिम वितरण के माध्यम से चुकाया गया ऋण शामिल हैं। इसके साथ ही, गोइंग कंसर्न स्टेटस को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय संपत्ति के मूल्य को बनाए रखा गया।

इसके साथ-साथ कुल 302 इकाइयों का समाधान करना था, उनमें से 188 इकाइयों का समाधान मौद्रीकरण, इनविट के ट्रांसफर और नकदीकरण के माध्यम से किया गया। इसके अलावा, 38 इकाइयों का मामला अनुमति के लिए अदालतों में विभिन्न स्तरों पर लंबित था और कुछ इकाइयां लगभग रु 3,000 करोड़ रुपये के ऋण का नियमित तौर पर निपटारा कर रही हैं।

बकाया ऋण और इकाइयों का समाधान करने के अलावा, उपलब्ध नकदी और इकाइयों के वितरण का काम, अदालत द्वारा अनुमति प्राप्त बकाया लेनदेन को निपटाना और इसके साथ-साथ अदालतों में लंबित मामलों को निपटाना बाकी है।

अलग-अलग तरह के शेयरधारक समझौतों से जुड़ी जटिलताओं और अन्य तरह की निर्भरताओं, ग्रुप के बाहर के ऋणों के जाल के बावजूद नए बोर्ड को भरोसा है कि वह अनुमति के मुताबिक, समाधान के ढांचे के अंतर्गत, बकाया ऋण के साथ-साथ बाकी बची इकाइयों का समाधान भी जल्दी हो जाएगा।

आई.एल.एंड.एफ.एस का रु 61,000 करोड़ का ऋण समाधान का लक्ष्य मौजूदा औसत वसूली के मुकाबले लगभग दोगुना है और अब तक आई.बी.सी के अंतर्गत का किया जाने वाला सबसे बड़ा ऋण समाधान है।

श्री सी एस राजन का कार्यकाल और प्रोफाइल:

श्री राजन 1978 बैच के आई.ए.एस अधिकारी हैं जो 2016 में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद, उन्होंने 2.5 वर्षों तक राजस्थान सरकार के सलाहकार के तौर पर भी काम किया और अक्टूबर 3, 2018 में आई.एल.एंडएफ.एस के बोर्ड में उनकी नियुक्ति हुई।अप्रैल 3, 2019 को उन्हें आई.एल.एंड.एफ.एस के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया; अप्रैल 3, 2022 को वह सीएमडी और 1 अक्टूबर, 2022 से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बने।

श्री राजन कोटक महिंद्रा बैंक के चेयरमैन बने रहेंगे।

आई.एल.एंड.एफ.एस समाधान से मिली सीख:

श्री राजन ने कहा, "नए बोर्ड ने शुरुआत में आई.एल.एंड.एफ.एस के ढांचे के अंतर्गत पांच से ज़्यादा स्तरों पर मौजूद जटिलताओं और बाधाओं को समझने में समय लिया। नए बोर्ड ने सबसे पहले सभी परिसंपत्ति को जीवंत बनाए रखने और समाधान का स्थायी व कानूनी तौर पर स्वीकार्य ढांचा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जिसे ग्रुप में 300 से ज़्यादा कंपनियों में लागू किया जा सके।

चुनौतियों के बावजूद बोर्ड की पूरी कोशिश वसूली में सुधार करने और भारत के पहले समूह समाधान ढांचे के माध्यम से समान वितरण सुनिश्चित करने की थी। पिछले छह वर्षों से ज़्यादा समय के दौरान यह स्पष्ट हो चुका है कि रेटिंग एजेंसियों, ऑडिटर, शेयरधारक, विनियामक और निदेशक मंडल यानी बोर्ड के सदस्यों समेत सभी पक्षों को कंपनियों को सही दिशा में बनाए रखने में अहम भूमिका निभानी चाहिए।

यह बात खास तौर पर आई.एल.एंड.एफ.एस जैसे कारोबारी समूह के मामले में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह महत्वपूर्ण है कि हम कानूनी प्रणाली की गति और निर्णय करने की प्रक्रिया पर ध्यान दें। इसके अलावा कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सी.ओ.सी) की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है, ताकि वे वोटिंग के माध्यम से समय पर निर्णय लें और समयबद्ध समाधान देने के लिए उपयुक्त नीतियां भी बेहद ज़रूरी हैं।

खास तौर पर संयुक्त उद्यमों और ढेर सारे इक्विटी साझेदारी वाली कंपनियों के मामले में। जिन मामलों में राज्य सरकार बकाया नहीं चुका पाती, खास तौर पर बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं में, उनके लिए संशोधित ढांचा बनाना ज़रूरी है।

आई.एल.एंड.एफ.एस अपनी तरह के अनोखे डिफॉल्ट का मामला था और इससे मिली सीख भविष्य के दिवालिया कानूनों के विकास के लिए आधार बनेगा जो अभी अपने शुरुआती दौर में हैं।"

श्री नंद किशोर का प्रोफाइल

श्री नंद किशोर भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा के 1981 बैच के अधिकारी हैं। वह उप निंयत्रक एवं महालेखापरीक्षक (डिप्टी सीएजी) के पद और भारत सरकार के सचिव के स्तर से सेवानिवृत्त हुए हैं। डिप्टी सीएजी के तौर पर वह भारत सरकार के रक्षा, रेल और संचार मंत्रालय के साथ-साथ इन मंत्रालयों के विभागों और सार्वजनिक इकाइयों के लेखा परीक्षण की ज़िम्मेदारी संभालते थे।

श्री किशोर को भारत सरकार ने 1 अक्टूबर, 2018 को कंपनी के नए बने बोर्ड में बतौर निदेशक यानी डायरेक्टर नियुक्त किया था। 21 दिसंबर, 2020 को वह कंपनी के कार्यकारी निदेशक बने और 3 अक्टूबर, 2022 को उन्हें मैनेजिंग डायरेक्टर का पद सौंपा गया।

श्री सीएस राजन (बाएं), चेयरमैन, आई.एल.एंड.एफ.एस तथा श्री नंद किशोर (दाएं), एमडी, आई.एल.एंड.एफ.एस

<u>मीडिया पूछताछ हेतु संपर्कः</u>

शरद गोयल

चीफ कम्युनिकेशंस ऑफिसर, आईएल एंड एफएस ग्रुप

फोनः 9324984296 : ईमेल:sharad@ilfsindia.com